# 231वें सत्र से संबंधित समापन भाषण

**माननीय सदस्यगण,**

आज राज्य सभा का 231वां सत्र समाप्त होने जा रहा है जो 9 जून, 2014 को प्रारंभ हुआ था। यह तीन दिवसीय सत्र राष्ट्रपति द्वारा संसद की दोनों सभाओं को संबोधित करने के साथ प्रारंभ हुआ, जिस पर दो दिनों से अधिक समय तक धन्यवाद के प्रस्ताव के रूप में चर्चा हुई। 40 से अधिक सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया और चर्चा लगभग 12 घंटे तक चली। सदस्यों ने चर्चा में जिस सकारात्मक तरीके से भाग लिया, मैं उसकी सराहना करता हूं। हमने इस सत्र में इस सभा के लिए नव-निर्वाचित अथवा पुनःनिर्वाचित 54 सदस्यों और एक नाम-निर्देशित सदस्य का स्वागत किया। प्रधान मंत्री और उनकी मंत्रिपरिषद का इस सभा से परिचय भी कराया गया ।

एक केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, इस सभा के एक वर्तमान सदस्य और 6 पूर्व सदस्यों के निधन पर श्रद्धांजलि दी गयी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में व्यास नदी में हैदराबाद के इंजीनियरी कॉलेज के छात्रों के डूब जाने की दुःखद घटना का भी उल्लेख किया गया।

मैंने महासचिव से इस सत्र से संबंधित सांख्यिकीय सूचना उपलब्ध कराने को कहा है।

मैं सभा के नेता, विपक्ष के नेता, विभिन्न दलों और समूहों के नेताओं और सभी सदस्यों द्वारा किए गए सहयोग, जिससे इस सभा की कार्यवाही सुचारू रूप से चल सकी, के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं।

मैं उपसभापति और इस सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा दी गई सहायता और सहयोग के लिए उनका भी आभार व्यक्त करता हूं।